मशरूम खेती प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
और
संकाय विकास कार्यक्रम

द्वारा आयोजित किया गया

माइक्रोबायोलॉजी विभाग और एनएक्टस

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन

(एनआईआरएफ रैंकिंग - 65; एनएएसी ग्रेड 'ए+')

पंजीकरण खुले!

पंजीकरण की अंतिम तिथि: 25th सितम्बर 2025

कार्यक्रम की अवधि: 6 महीने
(सितम्बर 2025 से शुरू)
कक्षाएँ महीनों तक फैली रहीं

संरक्षक: प्रो. (डॉ.) पायल मागो
संयोजक : प्रो. रेखा मेहरोत्रा

हमसे संपर्क करें:
डॉ. ऋचा शर्मा - +91 9873202312
श्री सुभाष मंडा - +91 9873257221

संस्थानों के बारे में

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे प्रतिष्ठित कॉलेजों में से एक है। इसका उद्देश्य जीवन को बदलना, भविष्य का निर्माण करना, तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करना और उच्च गुणवत्ता वाली व्यावहारिक शिक्षा के माध्यम से औद्योगिक संबंधों में सुधार करना है। माइक्रोबायोलॉजी विभाग, SRCASW 2020 से मशरूम की खेती में प्रमाणपत्र कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। एनेक्टस शहीद राजगुरु **प्रोजेक्ट ग्रीन हेवन** के तहत मशरूम उत्पादन के विपणन में लगे हुए हैं। यह बाजार जागरूकता और उद्यमशीलता कौशल विकास के बारे में भी ज्ञान प्रदान करता है जिससे प्रतिभागियों को अपने मशरूम की खेती के स्टार्ट-अप खोलने में सुविधा मिलती है।

इस कार्यक्रम में मशरूम की किस्मों को शामिल किया गया है

- ऑयस्टर मशरूम
    1. सफेद सीप मशरूम
    2. गुलाबी ऑयस्टर मशरूम
    3. नीला ऑयस्टर मशरूम
- किंग ऑयस्टर मशरूम
- बटन मशरूम
- पोर्टोबेलो मशरूम
- क्रेमिनी मशरूम

अन्य सुविधाएं:

- उन्नत IoT सुविधाएं
- स्पॉन उत्पादन

कार्यक्रम के बारे में

प्रोजेक्ट ग्रीन हेवन के तहत माइक्रोबायोलॉजी विभाग, एक्टस राजगुरु के साथ, मशरूम खेती पर एक सर्टिफिकेट कोर्स और संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। इसका उद्देश्य मशरूम विकास के बुनियादी सिद्धांतों के बारे में गुणवत्तापूर्ण ज्ञान और प्रशिक्षण प्रदान करके जनता के बीच मशरूम की खेती और खपत को लोकप्रिय बनाना है। उपस्थित लोग सीखेंगे कि कैसे-

- विभिन्न प्रकार के मशरूम जैसे बटन मशरूम, ऑयस्टर मशरूम और किंग ऑयस्टर मशरूम उगाने के लिए पसंदीदा परिस्थितियाँ निर्धारित करें
- चयनित मशरूम उगाने के लिए उपयुक्त खाद विकसित करें
- स्पॉनिंग की प्रक्रिया के बारे में जानें
- मशरूम उत्पादन में आवरण के उपयोग को समझाइये
- सर्वोत्तम कृषि तकनीक सीखें
- मशरूम की खेती के लिए संसाधनों की पहचान करें और उन्हें तैयार करें
- उद्यमशीलता कौशल बढ़ाएँ
- अन्य मशरूम उत्पादकों और संस्थानों के साथ नेटवर्क विकसित करें

उद्देश्य

- खाद्य मशरूम के जीव विज्ञान और विविधता को समझना।
- मशरूम का पोषण मूल्य और औषधीय विशेषताएं।
- बटन, कॉर्डिसेप्स, सफेद ऑयस्टर, गुलाबी ऑयस्टर, ब्लू ऑयस्टर, किंग ऑयस्टर मशरूम, पोर्टोबेलो मशरूम & क्रेमिनी मशरूम की खेती की तकनीक।
- मशरूम की खाद तैयार करने, स्पॉनिंग, खेती और भंडारण से संबंधित समस्याओं का समाधान।
- मशरूम के विपणन के लिए उद्यमशीलता तकनीक और कौशल विकास।

किसे नामांकन करना चाहिए??

यह पाठ्यक्रम उन सभी के लिए उपलब्ध है जो मशरूम उगाना पसंद करते हैं

- यूजी/पीजी छात्र
- शोधकर्ता/विद्वान
- किसानों
- खेती के शौकीन
- मशरूम के शौकीन
- गृहिणी या महिलाएं जो आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनना चाहती हैं

महत्वपूर्ण चीज़ें

01 मशरूम की खेती में व्यावहारिक अनुभव

02 प्रभावी और कुशल खेती की तकनीकें

03 स्पॉन उत्पादन का ज्ञान

04 मशरूम की उद्यमशीलता क्षमता

05 स्वचालित का विकास आईओटी सुविधा

विकसित आईओटी सुविधा

हम एक उन्नत IoT (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) सुविधा का लाभ उठाते हैं हमारी कृषि प्रक्रिया को अनुकूलित करने, उत्पादकता बढ़ाने के लिए, स्थितियों को अनुकूलित करें, और गुणवत्ता में सुधार करें अपना उद्यम स्थापित करने के लिए मशरूम। हमारी सुविधा है कुछ IoT-सक्षम मशरूम खेती सेटअपों में से एक दिल्ली में. IoT सेंसर तापमान, आर्द्रता, CO2 की निगरानी करते हैं स्तर, और प्रकाश, के लिए अनुकूलतम स्थितियाँ बनाते हैं मशरूम की विभिन्न किस्मों का विकास। स्मार्ट निगरानी IoT की प्रणालियाँ स्टॉक स्तर की निगरानी में मदद करती हैं और मांग की भविष्यवाणी करना, इस प्रकार बर्बादी को कम करना। स्वचालित नियंत्रण इन मापदंडों को आवश्यकतानुसार समायोजित करते हैं, जबकि डेटा विश्लेषण विकास चक्र और कटाई की भविष्यवाणी करने में मदद करता है अनुसूचियाँ. मशरूम की खेती में IoT तकनीक नहीं न केवल दक्षता, स्थिरता और उपज में सुधार होता है उपज की गुणवत्ता बनाए रखने में मदद करता है।

स्पॉन सुविधा उत्पादन

इस वर्ष, हमारे एमसीपी कार्यक्रम के तहत, हम स्पॉन उत्पादन शुरू कर रहे हैं, जो मशरूम की खेती में पहला कदम है। स्पॉन उत्पादन मूलतः मशरूम के "बीज" तैयार करने की प्रक्रिया है। पौधों के विपरीत, मशरूम वास्तविक बीजों से नहीं उगते हैं, बल्कि माइसेलियम से उगते हैं जो सफेद, धागे जैसी संरचनाएं होती हैं जो मशरूम के विकास के लिए आधार के रूप में काम करती हैं। इन मायसेलिया को अनाज या चूरा जैसे स्वच्छ, निष्फल माध्यम पर सावधानीपूर्वक खेती की जाती है, जिससे उच्च गुणवत्ता वाले स्पॉन का निर्माण होता है जो स्वस्थ और उच्च उपज वाले मशरूम उत्पादन को सुनिश्चित करता है। न केवल स्पॉन उत्पादन का परिचय यह हमारी परियोजना के वैज्ञानिक आधार को मजबूत करता है, बल्कि टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देकर अत्यधिक मूल्य भी जोड़ता है। साथ ही, यह हमारे समुदाय के भीतर कौशल-निर्माण, नवाचार और उद्यमशीलता के अवसर खोलता है, जिससे यह इस वर्ष एमसीपी के लिए एक प्रभावशाली कदम बन गया है।

पंजीकरण शुल्क

अर्ली बर्ड डिस्काउंट 10% है। 20th सितंबर 2025 तक वैध

10000 रूपये

संकाय/अनुसंधान विद्वानों के लिए

3000 रूपये

छात्रों के लिए

8000 रूपये

किसान/कामकाजी पेशेवर/
गृहिणियाँ/इच्छुक कोई भी के लिए

पंजीकरण की अंतिम तिथि 12th सितंबर 2025 है

पंजीकरण प्रक्रिया

चरण 1:
www.rajgurucollege.com पर जाएं

चरण 2:
"Online Payments" पर क्लिक करें (त्वरित लिंक और पृष्ठ के दाहिने शीर्ष पर)

चरण 3:
"Workshop/Seminar/Conference Fee" पर क्लिक करें

चरण 4:
सारी जानकारी और रकम भरें

चरण 5:
आगे बढ़ना

- **"Workshop/Seminar/Conference Fee"** - Workshop
- **Remarks** - MCP 2026

चरण 6:
इस फॉर्म को भरकर पंजीकरण पूरा करें:

QR CODE पंजीकरण फॉर्म के लिए

FORM LINK